

प्रेषक.

अजय सिंह नवीनियाल
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में

समर्पित जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

सिंचाई अनुमान

विषय : वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु आयोजनागत भवों में घनावटन-जिला योजना ।
महोदय,

देहरादून : दिनांक १४ अगस्त, २००९

उपरोक्त प्रियक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/09 दिनांक 28.07.09 एवं आपके पत्र संख्या 3259/ मुओपि/बजट/शी-1 आवंटन दिनांक 01.08.09 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि सिंचाई विभाग के लिए वर्ष 2009-10 में आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत जिला योजना में अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत सलग्नक-1 के अनुसार रु0 1326.17 लाख (ठोड़ करोड़ छह लाख सत्रह हजार मात्र) तथा सलग्नक-2 के अनुसार अनुदान संख्या 30 के अन्तर्गत रु0 236.80 लाख (दो करोड़ छल्लीस लाख अस्ती हजार मात्र) एवं अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत रु0 129.22 लाख (रु0 एक करोड़ उन्नीस लाख बाईस हजार मात्र) कुल रु0 1692.19 लाख (रु0 गोलह करोड़ बयानवे लाख उन्नीस हजार मात्र) के आवंटन प्रियक शासनादेश संख्या 1979/ ११-२००३-०३(४१)/०३ दिनांक 27.07.09 को निरस्त करते हुये अब तथ्यूर्ण वित्तीय वर्ष 2009-10 के लिए जिला योजना में अनुदान संख्या 20 के अन्तर्गत सलग्नक-1 के अनुसार रु0 700.00 लाख (रु0 सात करोड़ मात्र) तथा सलग्नक-2 के अनुसार अनुदान संख्या 30 के अन्तर्गत रु0 596.52 लाख (रु0 पाँच करोड़ छियानवे लाख बाबन हजार मात्र) एवं अनुदान संख्या 31 में रु0 141.21 लाख (रु0 एक करोड़ इक्लालीस लाख इक्कीस हजार मात्र) कुल रु0 1437.73 लाख (चाँदह करोड़ सौतीस लाख टिहतर हजार मात्र) की धनराशि व्यव के लिए आपके निर्वाचन पर निम्न प्रतिवर्तनों के साथ रखे जाने की श्री राज्यपाल सहै स्वीकृति प्रदान करते हैं—

1. सम्बन्धित धनराशि का व्यव केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र प्रियलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
2. धनराशि का आहरण व व्यव वासाधिक आवश्यकता के अनुसार निर्देशों में किया जायेगा।
3. धनराशि व्यप करने से पूर्व सदाम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
4. उक्त व्यव में बजट मैनेजमेंट, वित्तीय हसापुरिताक, अधिप्राप्ति नियमावली तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में सन्य-रान्य पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
5. जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगम्ब वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्दों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
6. स्वीकृत धनराशि का खण्डवार विभाजन/फॉट सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा, जिसका विवरण शासन की भी उपलब्ध करादा जायेगा। जिला योजना की फॉट जिला अनुश्रवण सभिति द्वारा स्वीकृत परिव्यय के आधार पर की जाय।
7. मुख्य अधिकारा एवं विभागाधारा द्वारा स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यव एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक नाह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध रखाया जाय।

8. जिला योजना के अन्तर्गत आवंटित धनराशि को तत्काल कार्यदायी स्था/आहरण वितरण अधिकारी को अवमुक्त कर दी जाय, जिससे क्षेत्रीय रत्न पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
9. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
10. विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
11. व्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का प्रियरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्थीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, २०१० २५५३ तक पूर्ण उपरोक्त कर सियो जायेगा।
12. धनराशि आहरण सी०सी०एल० हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक की अनुदान ३०-२०, ३० एवं ३१ के आदेजनामत मद के अन्तर्गत संलग्नक-१ व २ में उल्लिखित लेखाशीर्षक/उपलेखा शीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत प्राधिक इकाईयों के नाम डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के प्रक्रमांख 515/XXVII(1)/09 दिनांक 28.07.09 में दिये गये निर्देशों के अनुसार जारी की जा रही है।

संलग्न : यथोक्त।

मवदीय,

/(विनोद फोनिया)

सचिव

संख्या २०५३/।।-२००३-०३(41)/०३, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

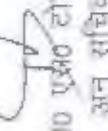
- १- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
 - २- निजी संधिय, माठ सिंचाई मंत्री जी को माठ मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
 - ३- निदेशक, संसाधन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
 - ४- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्बर्क विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
 - ५- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौडी/कुमांक मण्डल, नैनीताल।
 - ६- मुख्य अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष, सिंचाई विभाग, देहरादून को वित्त विभाग के पत्र संख्या 515 XXVII(1)/09 दिनांक 28.07.09 की प्रतिलिपि सहित इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि कृपया वित्त विभाग के उपरोक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 28.07.09 के साथ संलग्न प्रारूपों पर सूचना तत्काल शासन को उपलब्ध कराने वाल करें।
 - ७- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
 - ८- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
 - ९- वित्त अनुमान-२
 - १०- गुर्जर काईल।
- संलग्न : यथोक्त।

आशा से

(एस०एस० टोलिया)

अनु सचिव

क्र.सं.	जानकारे का नाम	अनुदान संख्या-२० ४७००-पृथक सिचाई पर दूजोंगत परिवहन-३६-नियमानुसार सिचाई नहरे/अन्य योजनाएँ ८००-अन्य याय ०२-अन्य रखरखाव याय ०२९१-नियन्त्रकीन सिचाई नहरे/अन्य योजनाएँ २४-इन्हत नियन्त्रकीन योजनाएँ २४-युहत	अनुदान संख्या-२० ४७००-पृथक सिचाई पर दूजोंगत परिवहन ०७-उत्तराखण्ड की लहु डात नहरों का पुनर्गढ़ ८००-अन्य याय ०२-अन्य सिचाईवाल याय ०२९१-नियन्त्रकीन सिचाई नहरे (जिला योजना) २४-युहत नियन्त्र कार्य
१	देहरादून	100.00	40.00
२	चमोली	-	14.00
३	उत्तराखण्ड	-	20.00
४	बिहारी	-	10.00
५	पट्टी गढ़वाल	11.00	10.00
६	हरिहर	50.00	10.00
७	लड़क्काया	-	24.00
	योग गढ़वाल भण्डल	161.00	128.00
१	अल्मोड़ा	-	5.00
२	यामी इच्छ	-	40.00
३	चम्पावती	30.00	5.00
४	नीमीताल	80.00	10.00
५	मिथोरामढ़ी	-	8.00
६	कुदमसिंह नगर	29.00	4.00
	योग कुमाऊँ घण्डल	139.00	72.00
	कुल योग	390.00	200.00

(क०० साठ बाषाड मात्र)

 (ए.रा.ओ. पूरी गढ़वाल)
 अ. संधेय

(५० सार करोड़ सेटीस लाख मिहनत इलाई भात्र)

अर्थ सांख्यिकी